REET 2025 LEVEL-2

वंदन बैच

राज इतिहास एवं कला संस्कृति

Demo 02

प्रमुख लोक देवता

Part 02

LIVE 27-12-2024 08:00 PM

REET 2025 LEVEL-1 & 2

वंदन बैच

Features

- Live Classes
- Doubt Group
- Class Notes PDF
- Mock Test
- Experienced Teachers

~~₹999/-~~ 30% off

Coupon Code: **REET30**

₹699/-

Registration Starts from **23rd DEC**

Classes Start from **26th DEC**

JOIN US ON DOWNLOAD THE Google Play

कोर्स कैसे PURCHASE करें ?

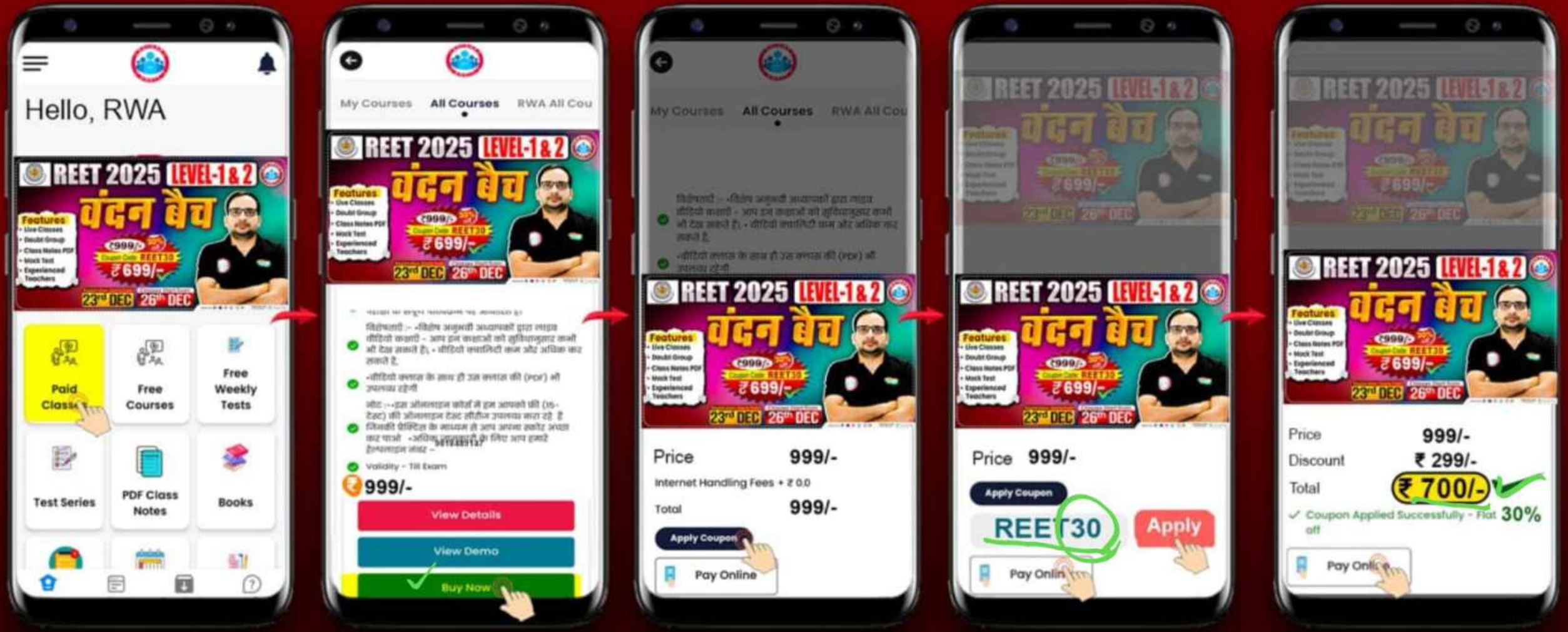

TIME TABLE

REET 2025 LEVEL-1 & 2

वंदन बैच

MATHS
L-1 07AM

GEOGRAPHY
L-2 10 AM

हिंदी
L-1&2 11 AM

CDP
L-1&2 02 PM

ENGLISH
L-1&2 03 PM

संस्कृत
L-1&2 03 PM

EVS
L-1 04 PM

PHYSICS
L-2 04 PM

MATHS
L-2 05 PM

POLITY
L-2 07 PM

CHEM+ BIO
L-2 07 PM

HISTORY
L-2 08 PM

Registration Starts from
23rd DEC

Classes Start from
26th DEC

JOIN US ON

DOWNLOAD THE RWA APP NOW

Google Play

गोगा जी → चौहान वंश

जन्म → ददरेवा चुरू

पिता → जेवर सिंह

माता → बाछल

गुरू → गोरखनाथ जी

पत्नी → केलम दे। सुरियल

घोड़ा → नीला घोड़ा

उपनाम → जाहरपीर
जिन्दापीर
गौ रक्षक देवता
सांपो के देवता

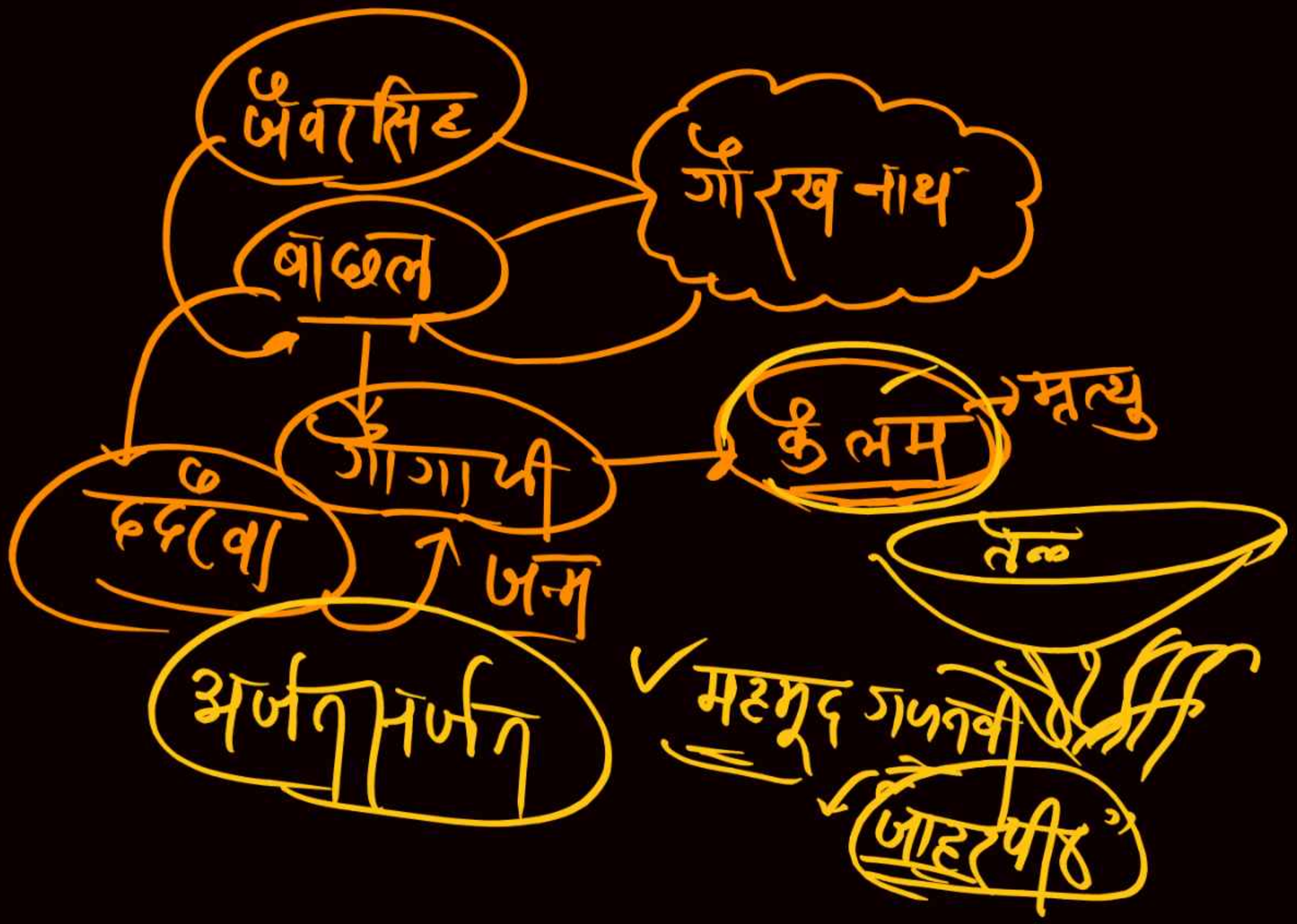

जेवासिंह
गोरखनाथ
बाछल
गोगाजी
कैलम
मृत्यु
ददरेवा
जन्म
अर्जन सर्जन
तेल
महमूद गजनवी
जाहरपीर

→ गोगा जी ने गायें छुड़ाने के लिए महमूद गजनवी के साथ युद्ध लड़ा।

→ महमूद गजनवी ने गोगा जी को जिन्दापीर कहा।

→ गोगा जी ने अर्जन | सर्जन के साथ युद्ध लड़ा।

→ शीर्षमेड़ी → ददरेवा चुरू (शीश गिरा था यहां)

→ धुरमेड़ी → गोगामेड़ी | नोहर हनुमानगढ़

→ गोगा जी ओल्डी → सांचौर (खिलेरियों की ढाणी)

→ मेला → भाद्रपद कृष्ण नवमी (गोगा नवमी)

↳ मिट्टी के घोड़े भेंट किये जाते है।

→ गोगा जी का मन्दिर → खेजड़ी पेड़

→ वाद्य यंत्र → डेरू वाद्य यंत्र

→ पुजारी → "चायल"

→ पुजारी पीले वस्त्र धारण करते है।

गोगा रिसावला → मेहा जी

→ गोगा जी के नाम की हल पर राखी बांधी जाती है।

most → गोगा नवमी के दिन रक्षाबंधन वाली राखी खोली जाती है।

→ कायम खानी मुसलमान गोगाजी के वंशज है।

कल्लाजी राठौड़

→ जन्म → सामियाना मेड़ता नागौर

→ पिता → आससिंह

→ माता → स्वेत कंवर

→ उपनाम :→ कमधज, सिद्ध योगी पुरुष
बाल ब्रह्मचारी, केहर,
शेषनाग का अवतार
दो सिर चार हाथों वाले देवता

पत्नी → कृष्णा कुंवरी

बचपन का नाम
→ केसरी सिंह

→ मेला → आश्विन शुक्ल पक्ष नवमी

→ गुरू → भैरव नाथ

→ छतरी → भैरव पोल के पास चितौड़गढ

→ चितौड़गढ का तीसरा साका → 1567-68

↳ आक्रमण → अकबर

केसरिया → जयमल | फत्ता

जौहर → फूलकवर

कल्लाजी राठौड़ ने अपने ताऊ जयमल को कंधों पर बैठाकर युद्ध लड़ा

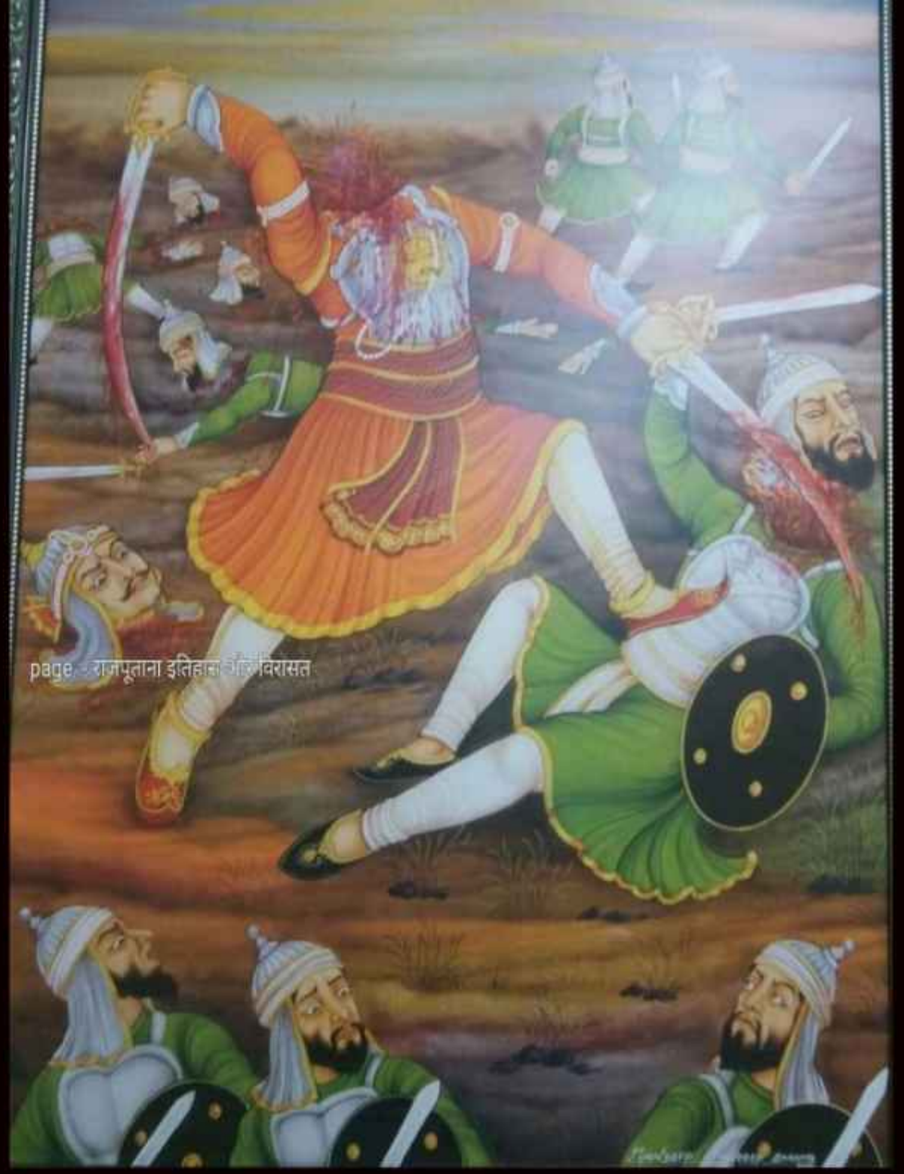
page - राजपूताना इतिहास और विरासत

प्रमुख मन्दिर :→ सामियाना मेड़ता नागौर

↳ सामलीया गांव → डुगरपुर → (अफीम चढ़ाई जाती है)

↳ रूण्डेला → चित्तौड़गढ़

कल्लाजी के निवास स्थान → हवेली कहा जाता है।

कृष्णा कुंवरी || कल्लाजी राठौड़

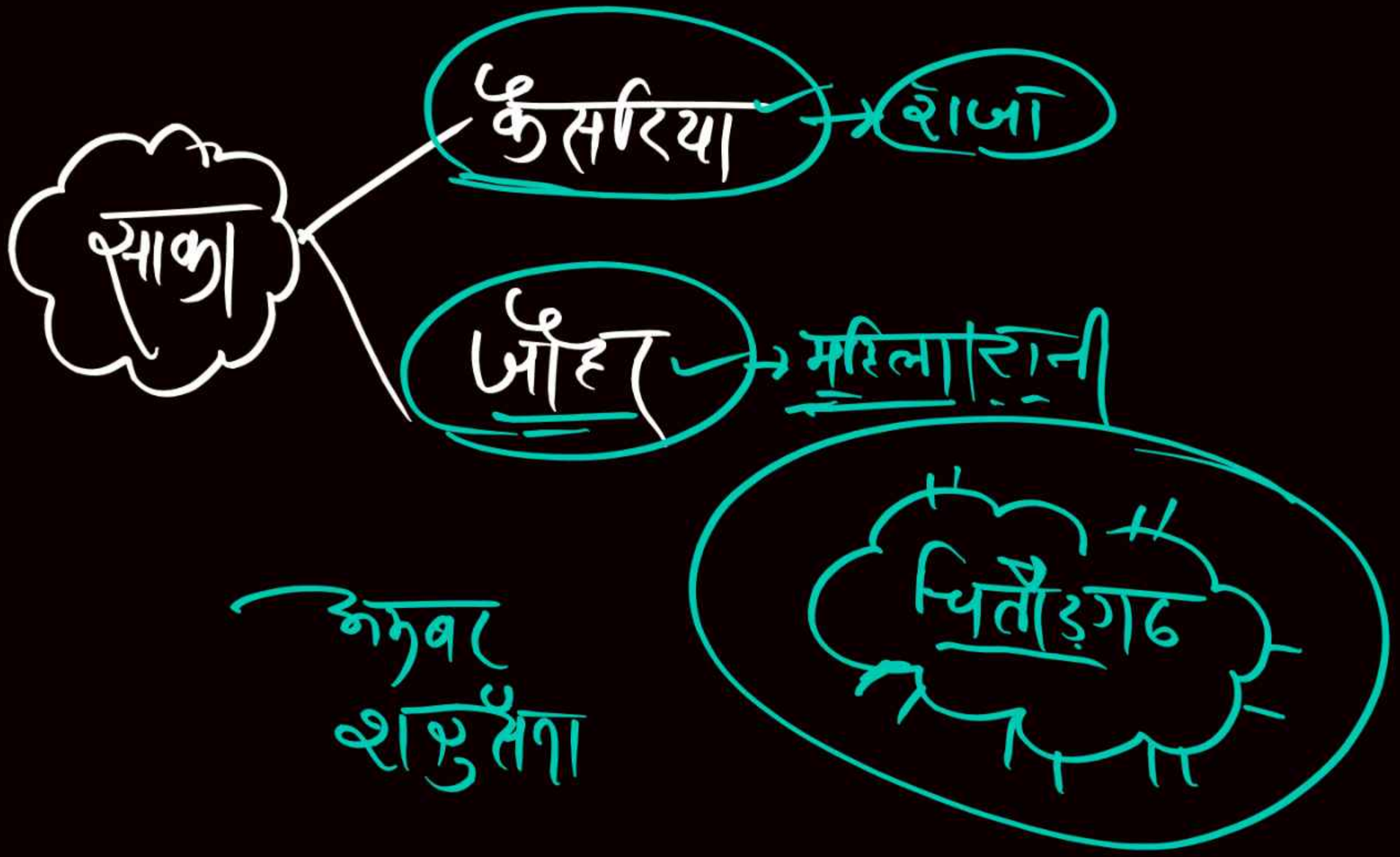

साका
केसरिया
राजा
जौहर
महिलारानी
चित्तौड़गढ़
अकबर